

प्रेषक,

सोहन लाल
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक,
प्रशिक्षण एवं सेवायोजन,
उत्तरांचल, हल्द्वानी।

श्रम एवं सेवायोजन विभाग

देहरादून

दिनांक: 25 अक्टूबर, 2005

विषय: वित्तीय वर्ष 2005-06 हेतु राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान ढोकानें जनपद नैनीताल के भवन निर्माण हेतु धनराशि अक्मुक्ता किए जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके मंत्र संख्या : 694/डीटी0ई0यू /0202/एनपीडी/2005 दिनांक 18 अगस्त-2005 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान ढोकानें जनपद नैनीताल के भवन निर्माण हेतु उत्तरांचल फेब्रिल संलक्षण विकास एवं निजीकरण, नैनीताल द्वारा प्रस्तुत रुपये 171.05 लाख के आगमन के सापेक्ष टी0ए0सी0 द्वारा परीक्षणोपरांत प्रस्तुत रुपये 138.75 लाख के आगमन की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति उपान करते हुए इसके सापेक्ष आलाच्य वित्तीय वर्ष 2005-06 हेतु रुपये 50,00,000/- (रुपये पचास लाख मात्र) की धनराशि के व्यय की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उक्त धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ आपके निगमन पर स्वीकृत की जा रही है, कि प्रसंगत धनराशि का उपयोग इसी वित्तीय वर्ष 2005-06 में करने का कष्ट करें, यदि तिथि के उपरान्त कोई धनराशि शेष बचती है, तो उसका नियमानुसार शासन को समर्पण कर दिया जावेगा। उक्त धनराशि के उपयोग का उपयोगिता प्रमाण पत्र, कार्य की शौतिक प्रगति सहित शासन को उपलब्ध कराया जावे। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने के लिये गजट मैनुअल या वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों का उल्लंघन होता हो। व्यय उन्हीं मदों में किया जावेगा, जिसके लिये यह स्वीकृत किया जा रहा है। व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त किया जाना आवश्यक है।

3- कार्य की सम्यक्दृष्टता एवं गुणवत्ता हेतु सम्बन्धित निर्माण एजेंसी पूर्ण रूप से उत्तरदायी होगी।

4- कार्य करते समय टैंडर आदि विषयक दिस्यों का भी अनुपालन किया जावेगा।

5- स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31 मार्च-2006 तक पूर्ण उपयोग कर कार्य की वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को प्रस्तुत कर दिया जावेगा।

6- कार्य करने के पूर्व यदि किसी तकनीकी अधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो तो वो प्राप्त करने ही कार्य प्रारम्भ किया जावेगा।

7- कार्य इसी लागत में पूर्ण कर लिया जायेगा और यदि विलम्ब या अन्य कारणों से इसकी लागत में बढ़ोतरी होती है तो उसके लिए कोई अतिरिक्त धनराशि देय नहीं होगी।

8- टी0ए0सी0 के निम्न बिन्दु (1) से (8) तक में दर्शायी गयी शर्तों/प्रतिबन्धों का पूर्ण रूप से अनुपालन कराया जाय।

(1) आगमन में उल्लिखित दरों का पिरलेक्षण विभाग के अधीक्षक अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को जो दरें शिड्यूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से ली गई हो, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षक अभियन्ता को अनुमोदन आवश्यक होगा।

(2) कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगमन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार रक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय।

(3) कार्य का उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत नार्म है, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

(4) एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगमन गठित कर नियमानुसार रक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।

(5) कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएँ तबन्तीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते एव लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिश्यों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें।

(6) कार्य कराने से पूर्व स्थल का भली-भांती निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं भुगर्ववेत्ता की साथ अवश्य करा लें। निरीक्षण के पश्चात स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण रिप्पनी के अनुरूप कार्य किया जाय।

(7) आगमन में जिन नदों हेतु जो शर्तें स्वीकृति की गयी हैं, उसी नद पर व्यय किया जाये, एक नद का दूसरी नद में व्यय कदापि न किया जाये।

(7)-ए- निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा ली जाय, तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को प्रयोग में लाया जाए।

(8) यदि स्वीकृत राशि में स्थल विकास कार्य सम्भव न हो, तो कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगमन मानचित्र गठित कर शासन से स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, स्वीकृति राशि से अधिक कदापि व्यय न किया जाए।

9- व्यय उन्हीं नदों में किया जायेगा जिनके लिए का स्वीकृत किया जा रहा है।

10- स्वीकृत की जा रही धनराशि का पूर्ण उपयोग कर कार्य की वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण उपलब्ध कराने पर ही आगामी किस्त अयमुक्त की जायेगी।

11- कार्य करते समय वित्तीय हस्तपुस्तिका, बजट मैनुअल, स्टोर पर्येज कलस एवं गिज्ञाव्यतता के सम्बन्ध में समय-समय पर निर्गत शासनादेशों का अनुपालन किया जायेगा।

12- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2005-06 हेतु अनुदान संख्या-13 मुख्यलेखाशीर्षक-4216 अमास पर पुर्णगत परिलेख-83-समान-आयोजनागत-001-निर्दान तथा प्रसारन 07-सजाकीय

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों का सुदृढीकरण-00 के अन्तर्गत 24 बृहत्त निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा ।

13- यह आदेश वित्त विभाग के असासकीय संख्या: यू0ओ0: 11/XXVII(5)/2005 ,दिनांक: 20, अक्टूबर-2005 के अन्तर्गत प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं ।

भवदीय

(सोहन लाल)
अपर सचिव ।

पृष्ठांकन संख्या: 2/4/ (1)/ VIII/701-प्रशि0/2004, तद्दिनांक :-
प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार, उत्तरांचल, देहरादून
- 2- सम्बन्धित ज्ञानपत्र के कोषाधिकारी ।
- 3- निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री ।
- 4- प्रधानाचार्य, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान ढाकाने जन्मद मैनीताल ।
- 5- श्री एल0एम0 पन्त, अपर सचिव, वित्त दफ्तर ।
- 6- महाप्रबन्धक, उत्तरांचल प्रेक्जल संसाधन विकास एवं निर्माण निगम, मैनीताल को सीरसी द्वारा परीक्षणोपरांत आगमन की छाया-प्रतियाँ सहित ।
- 7- वित्त अनुभाग-3
- 8- नियोजन-विभाग, उत्तरांचल शासन/एन0आई0सी0 सचिवालय ।
- 9- गार्ड फाईल ।

आज्ञा से,

(आर0के0चौहान)
अनुसचिव ।

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों का सुदृढीकरण-00 के अन्तर्गत 24 वृहत्त निर्माण कार्य के नामे खाला जायेगा ।

13- यह आदेश वित्त विभाग के असासकीय संख्या: यू0ओ0: 11/XXVII(5)/2005 दिनांक: 20, अक्टूबर-2005 के अन्तर्गत प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं ।

भवदीय

(सोहन लाल)
अपर सचिव ।

पुष्तांकन संख्या: 214/ (1)/ VIII/701-प्रशि0/2004, तद्दिनांक :-
प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार, उत्तरांचल, देहरादून
- 2- सम्बन्धित जनपद के कोषाधिकारी ।
- 3- निजी सचिव, मा0 मुख्यमन्त्री ।
- 4- प्रधानाचार्य, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान डोकरने जनपद मैनीताल ।
- 5- श्री एल0एम0 पन्त, अपर सचिव, वित्त बजट ।
- 6- महाप्रबन्धक, उत्तरांचल पेयजल संसाधन विकास एवं निर्माण निगम, मैनीताल को पीसी द्वारा परीक्षणोपरान्त आगमन की छाया-प्रतियाँ सहित ।
- 7- वित्त अनुभाग-3
- 8- नियोजन-विभाग, उत्तरांचल शासन/एन0आई0सी0 सचिवालय ।
- 9- गार्ड फाईल ।

आज्ञा से,

(आर0के0चौहान)
अनुसचिव ।